## छोटे भाई के शव के साथ 9 दिनों तक सोता रहा शख्स

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश की राजधानी दिल्ली में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। पूर्वी दिल्ली में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसमें एक शख्स अपने छोटे भाई के शव के साथ कई दिनों तक रहता रहा। दरअसल, शख्स को यह उम्मीद थी कि उसका छोटा भाई जल्द ही ठीक हो जाएगा। इसी उम्मीद में वह शख्स अपने छोटे भाई के शव के साथ 9 दिन तक रहता रहा। इस दौरान शव पूरी तरह से सड़ गया और उसमें कीड़े पड़ने लगे। इसी दौरान मृतक राजेंद्र भटनागर (68) के कुछ साथी उनकी खोज-खबर लेने पहुंचे तो उन्हें मौत का पता चला। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। पुलिस के मुताबिक राजेंद्र के भाई प्रह्लाद भटनागर (70) मानसिक रूप से बीमार हैं। वह नौ दिनों तक घर से बाहर नहीं निकले। इस वजह से किसी को घटना के बारे में पता नहीं चला। प्रह्लाद ए-238, गली नंबर-2, रामा गार्डन, करावल नगर में रहते हैं। राजेंद्र भी इनके साथ रहते थे। दोनों अविवाहित थे। एक निजी कंपनी से रिटायर होने के बाद राजेंद्र घर के पास स्थित लिटिल स्टार पब्लिक स्कूल में संस्कृत पढ़ाते थे। गत 23 जून को राजेंद्र की तबीयत बिगड़ी तो वह दवा खाकर सो गए। इसके बाद वह नहीं उठे। प्रह्लाद ने उसी दिन शाम को और फिर अगले दिन उठाया, लेकिन राजेंद्र नहीं उठे। प्रह्लाद ने सोचा शायद राजेंद्र की तबीयत ज्यादा खराब है। प्रह्लाद शव के साथ सोते रहे। उधर, गर्मी की छुट्टियों के बाद 27 जून को राजेंद्र का स्कूल खुल गया। स्कूल न पहुंचने पर अगले दिन स्कूल का चपरासी राजेंद्र से एक चाभी लेने पहुंचा तो प्रह्लाद ने बता दिया कि वह बीकानेर, राजस्थान गए हुए हैं। जब गत सोमवार तक वह स्कूल नहीं पहुंचे तो प्रिंसिपल लक्ष्मीचंद तोमर ने स्कूल के उनके दो साथी शिक्षकों नंद कुमार व उत्तम कुमार को घर भेजा। दोनों शिक्षक जब घर पहुंचे तो उन्हें बदबू महसूस हुई। अंदर जाकर देखा कि बिस्तर पर राजेंद्र का सड़ा-गला शव पड़ा था। सूचना पर पहुंची पुलिस को भी प्रह्लाद ने बताया कि उनके भाई की तबीयत खराब है। पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार कर दिया। अपने ही सगे भाई के शव के साथ 9 दिनों तक सोता रहा शख्स राजेंद्र और प्रह्लाद दोनों भाइयों ने शादी नहीं की थी।

## कोरियोग्राफर गणेश आचार्य ने डेढ़ साल में घटाया 85 किलो वजन

दिल्ली, (आरएनएस)। बॉलीवुड के फेमस कोरियोग्राफर गणेश आचार्य अपने डांसिंग स्किल के लिए फेमस हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से वो अपने नए लुक की वजह से सुर्खियों में हैं। दरअसल, गणेश ने पिछले डेढ़ सालों में करीब 85 किलो वजन कम कर लिया है। पहले उनका वजन करीब 200 किलो था, जिसे कम करने के बाद वो पहले से ज्यादा डेशिंग लगने लगे हैं। इसका सबूत है उनकी ये फोटोज जो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। गणेश ने साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'हे ब्रदर' के लिए करीब 30 से 40 किलो वजन बढ़ाया था, जिसके बाद वो अपने वेट पर कंट्रोल नहीं कर पाए। लेकिन, कड़ी मेहनत और लगन की बदौलत उन्होंने खुद को फिट कर लिया और इस जर्नी में अपने फैंस को भी शामिल किया। दरअसल, इस डेढ़ साल के पूरे पीरियड में गणेश अपनी जिमिंग की फोटोज फैन्स के साथ शेयर करते रहे। जिससे लोग काफी इंस्पायर हुए। अपने वेट लॉस के बारे में उनका कहना है- करना ही था। एक सोच थी कि मुझे ये करना ही होगा। लोगों ने गणेश आचार्य को मोटा ही देखा है। इसलिए मैं अपनी इमेज चेंज करना चाहता था। मेरे लिए ये बहुत मुश्किल था। मैं पिछले डेढ़ साल से अपनी बॉडी पर काम कर रहा हूं।

## फरार आरोपियों के लिए लुकआउट सर्कुलर हो जारी

जगदलपुर,(आरएनएस)। खूटपदर गोलीकांड के बाद से इस मामले में करीब 11 आरोपी फरार चल रहे हैं। गौरतलब है कि इस मामले में शहर के सोनू भदौरिया, मलकीत सिंह गैदू, शक्तिसिंह चौहान, छोटू, राजू चौहान, अमरीश सिंह सहित अन्य फरार हैं। पुलिस इन्हें पकड़ने के लिए पहले ही 20-20 हजार रुपए का इनाम घोषित कर चुकी है और इनकी तलाश के लिए एसआईटी का गठन भी किया गया है। पुलिस इन आरोपियों की लोकेशन तलाश रही है और इन्हें पकड़ने के लिए राज्य से बाहर भी दबिश दी जा रही है। इस बीच पुलिस को खबर मिली है कि मामले में फरार कुछ आरोपी देश छोड़ सकते हैं। ऐसे में अब पुलिस फरार आरोपियों के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी कर रही है। ऐसी खबर आ रही है कि कुछ फरार ओरापी नेपाल के रास्ते देश छोड़ने की तैयारी में हैं। एसपी आरिफ शेख ने बताया कि आरोपियों के विदेश भगाने का प्रयास करेंगे तो इन्हें रोकने के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया जाएगा।

## नाइजीरिया के सैन्य ठिकानों पर बोको हरम ने किया हमला

कानो,(आरएनएस)। आईएस समर्थित अबु मुसाब अल-बरनावी आतंकी धड़े के प्रति वफादार बोको हरम के जिहादियों ने पूर्वोत्तर नाइजीरिया के तीन सैन्य ठिकानों पर हमला कर दिया जिसमें एक शिविर नष्ट हो गया और एक सैनिक मारा गया। सेना एवं सतर्कता विभाग के मुताबिक, हालिया हमले से नाइजीरियाई सरकार के इस दावे पर संदेह पैदा होता है कि जिहादी गुट खत्म होने के कगार पर है। मंगलवार को किए गए हमले में पिकअप ट्रकों में सवार इस्लामिक लड़ाकों ने नाइजीरिया के बोंनो राज्य के कामुया गांव के एक सैन्य शिविर को तबाह कर दिया। बीउ कस्बे से सेना के एक स्रोत ने बताया 'बोको हरम ने लगभग साढ़े पांच बजे (स्थानीय समयानुसार) सैन्य ठिकाने पर हमला कर दिया। सेना के जवानों ने भी जवाबी हमला किया। एक सैन्य अधिकारी ने बताया 'सैन्य ठिकाने पर आरपीजी (रॉकेट चलित ग्रेनेड) से हमला किया गया जिसमें दो सैनिक घायल हो गये।

## अयोध्या के रामसेवकपुरम में तीन ट्रक में पहुंची पत्थर की खेप

अयोध्या, (आरएनएस)। राम नगरी अयोध्या में रामजन्मभूमि पर प्रस्तावित मंदिर के निर्माण में जुगत में लगे तमाम हिंदूवादी संगठन बेहद सक्रिय हैं। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए सामग्री एकत्र की जा रही है। इसी क्रम में कल तीन ट्रक में पत्थरों की खेप पहुंची। लाल पत्थरों को राजस्थान के बयाना से तीन ट्रक में लाया गया है। इन्हें रामघाट के रामसेवकपुरम में रखवाया गया और जरूरत के हिसाब से इन्हें करीब पांच सौ मीटर के फासले पर स्थित रामजन्मभूमि न्यास कार्यशाला में ले जाया जाएगा। दबाव की रणनीतिः राम मंदिर के लिए संसद में कानून पारित कराने की मांग के समर्थन में केन्द्र सरकार पर दबाव की रणनीति के तहत विहिप नेतृत्व ने अयोध्या में पत्थरों की खेप मंगानी शुरू कर दी है। इसी रणनीति के तहत पखवारे भर पहले भी एक ट्रक में करीब 70 टन पत्थर यहां लाए गए थे। वहीं, दूसरी बार फिर तीन अलग-अलग ट्रकों में करीब दो सौ टन पत्थर मंगवाए गए हैं। जयपुर जोरहाट ट्रांसपोर्ट कम्पनी के यह तीनों ही ट्रक बीते 30 जून को बेवाना खदान से निकले थे और बीती रात अयोध्या पहुंचे। बाईपास पर खड़े इन तीनों ट्रकों को कल रामसेवकपुरम की कार्यशाला में लाकर क्रेन के जरिए पत्थरों को उतरवाया जा रहा है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ की ओर से रामलला के अभिन्न मित्र घोषित त्रिलोकीनाथ पाण्डेय ने इस सम्बन्ध में बताया कि श्रीरामजन्मभूमि में भव्य मंदिर निर्माण के लिए पत्थरों की तराशी का कार्य जल्द प्रारम्भ होगा। इसीलिए पत्थरों को यहां लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बरसात में खदानों में पानी भर जाता है इसलिए अधिकतम खेप मंगाने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित राम मंदिर मॉडल में करीब सवा दो लाख घनफुट लाल पत्थरों का इस्तेमाल होना है। वर्ष 1990 के बाद से अब तक करीब एक लाख घनफुट पत्थरों की तराशी का काम पूरा हो चुका है जिससे भूतल का निर्माण हो सकता है। वहीं अभी 75 हजार घनफुट पत्थरों की तराशी होनी शेष है, जिन्हें यहां लाया जाना है। उन्होंने बताया कि यहां लाए गए पत्थरों से बीम के अलावा छत व छज्जों का निर्माण कराया जाएगा। अभी तक फॉर्म 32 के जरिए पत्थरों को मंगाया जा रहा था। वहीं अब जीएसटी लागू होने के बाद इन पत्थरों को मंगाना ज्यादा आसान हो गया है। इसके चलते शेष पत्थर जल्दी यहां लाए जा सकते हैं। इससे पहले फॉर्म 32 मिलने की समस्या रहती थी जिससे मॉल ढुलाई में भी देरी होती थी। वर्ष 2015 में तत्कालीन राजय सरकार के अघोषित रोक के कारण वाणिज्य कर विभाग ने फॉर्म 32 जारी करने में आनाकानी शुरू कर दी थी जिससे पत्थरों की ढुलाई ठप हो गई। कार्यशाला के सुपरवाइजर गिरीश भाई सोमपुरा के अनुसार प्रस्तावित मंदिर में करीब सवा चार लाख घन फीट पत्थर लगने हैं। मंदिर के लिए पत्थर तराशी का 70 फीसद काम पूरा हो चुका है और सवा लाख घन फीट पत्थरों की तराशी अभी बाकी है। तीन माह पूर्व प्रदेश में भाजपा सरकार आने से पूर्व सपा सरकार के समय वाणिज्य कर के नियमों का हवाला देकर राजस्थान से पत्थरों का आयात रोक दिया गया था लेकिन, प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद से दूसरा मौका है, जब पत्थरों की खेप रामसेवकपुरम पहुंची है। बीते महीने माह एक ट्रक ही पत्थर आया था, जबकि इस बार एक साथ तीन ट्रक पत्थर लाए गए। न्यास कार्यशाला के सूत्रों के अनुसार पत्थरों की आवक कार्यशाला की गतिविधियों को नियमित बनाए रखने के प्रयास के तहत है। कार्यशाला में वर्षों पूर्व से ही इतने पत्थर तराशे जा चुके हैं कि किसी भी समय मंदिर निर्माण शुरू होने की सूरत में तराशे गए पत्थरों की कमी नहीं पडने वाली है। बाबरी मस्जिद-राम जन्मभूमि केस से जुड़े एक याची खालिद अहमद खां ने अयोध्या में पत्थरों के आगमन पर कहा है यह लोगों में सन्देश देने की कोशिश है कि भगवा दल राम मंदिर निर्माण को लेकर गंभीर है। हालांकि इससे केस पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हमें सुप्रीम कोर्ट और संविधान पर पूरा भरोसा है। कांग्रेसी नेता पीएल पुनिया ने पत्थर कहा कि अयोध्या में यह काम आज से नहीं बहुत समय से चल रहा है, लेकिन आज तक मैने भाजपा या फिर आरएसएस का यह बयान नहीं सुना की हम जबरदस्ती वहां मंदिर बनाएंगे। चाहे योगी हो या कोई और सभी ने कहा है की आम सहमति से या कोर्ट के फैसले के बाद ही मंदिर बनेगा। बाबरी विवाद के पक्षकार जफरयाब जिलानी ने कहा कि सियासी एजेंडा है और वे अपनी संसदीय क्षेत्र को बताना चाहते हैं कि वो मंदिर बनाने को लेकर गंभीर हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। मंदिर के तामीर की शुरुआत नहीं कर पाएंगे। आस-पास टेंशन जरूर बढ़ेगी। यह भाजपा, आरएसएस और वीएचपी की मिलीजुली बात है। सब पहले से तयशुदा प्रोग्राम के तहत हो रहा है। लखनऊ यूनिवर्सिटी की पूर्व कुलपति रूप रेखा वर्मा ने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। इस तरह की गतिविधियां गैर कानूनी हैं और देश के खिलाफ है। सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार है। एक छोटा परिसर है जिस पर विवाद है, लेकिन उसके बाद हम वहां कुछ भी रख सकते हैं। पत्थर आ रहे हैं, नई तकनीक से मंदिर बनाने वाला है। मैं कल फिर कोर्ट जाकर मेंशन करूंगा, हम जीतने वाले हैं। मस्जिद कहीं भी बन सकती है। हम हाई कोर्ट में हम जीत चुके हैं, सिर्फ सुनवाई होनी है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पार्टियां पब्लिकली बोलने को तैयार नहीं हैं, कोर्ट फैसला करेगा तो वो तैयार हो जाएंगे। हम कोई मुसलमान देश नहीं हैं, जो किसी और धर्म के मंदिर को बनाने से रोकेंगे। राम जन्म भूमि के बाहर कहीं भी मस्जिद बना सकते हैं। गौरतलब है कि 2015 में भी पूरे देश से पत्थरों को एकत्र करने की ऐसी कोशिश हुई थी. उस समय तत्कालीन समाजवादी सरकार ने दो ट्रक पत्थरों के आने के बाद उस पर रोक लगा दी थी। वाणिज्य कर विभाग ने पत्थरों को लाने के लिए फॉर्म 39 जारी करने से इनकार कर दिया था। फैजाबाद आतंकी हमले की बरसी पर अयोध्या कड़े पहरे में दिखी। कल सुबह से हो रही रिमझिम बरसात के बीच भी सुरक्षा कर्मी वाहनों की चेकरक्षकण व ड्यूटी पर मुस्तैदी से तैनात रहे। प्रमुख चौराहों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था रही। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) अनिल कुमार सिंह सिसौदिया ने अयोध्या पहुंच सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने की हिदायत दी।

## हरिद्वार की तर्ज पर गढ़मुक्तेश्वर को विकसित किया जायेगाः योगी

हापुड़,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि विधानसभा चुनाव के दौरान प्रशासन ने उनके हैलिकाप्टर को उतरने नहीं दिया था लेकिन गंगा मैया और तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वदर को उन्हें कुछ बनाकर ही बुलाना था और वह कुछ करने की स्थिति में आ गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गढ़मुक्तेश्वर तीर्थ नगरी भगवान शिव व कृष्ण के लिये भी महत्व स्थान रही है। यहां का विकास हरिद्वार की तर्ज पर किया जायेगा। यहां लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा मेले को मानचित्र पर लाने की प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अन्य धार्मिक स्थलों की तरह गढ़मुक्तेश्वर को भी 24 घंटे बिजली मिलेगी। मुख्यमंत्री बुधवार को वन महोत्सव एवं गंगा पूजन, पुस्तक वितरण कार्यक्रम व जनसभा में भाग लेने हेलीकाप्टर से गढ़मुक्तेश्वर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने गढ़मुक्तेश्वर को हरिद्वार की तर्ज पर धार्मिक व पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने तथा 24 घंटे गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की घोषणा की। उन्होंने प्रदेश में 27 जिलों में वन महोत्सव कार्यक्रम में 4 करोड़ 30 लाख पौधे वन विभाग द्वारा लगाये जाने तथा 2 लाख से अधिक पौधे अन्य विभागों के सहयोग से लगाये जाने की भी घोषणा की। योगी आदित्यनाथ ने तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वर के गांव आलमगीरपुर के प्राथमिक विद्यालय में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पुस्तक व ड्रेस वितरण किया और उन्होंने छोटे बच्चों से बात की। इसके बाद मुख्यमंत्री लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में पहुंचे जहां उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बैठक की। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ब्रजघाट गंगा तट पर गंगा पूजन व आरती कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे जहां उन्होंने गंगा तट पर पीपल व बढ़ के दो वृक्ष भी लगाये। मुख्यमंत्री ने गन्ना किसानों का पूरा भुगतान शीघ्र दिलाने का आश्वासन दिया। साथ ही किसानों का भुगतान देने में परेशान करने वाले मिल मालिकों व प्रबंधकों को जेल भेजने की भी चेतावनी दी। उन्होंने पिछली सपा, बसपा सरकारों द्वारा दी गई गड्ढायुक्त सड़कों को बरसात के बाद तक पूर्ण रूप से ठीक कराने का वादा किया। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त सरकार देने तथा स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने की भी बात कही।

## फ्यूल डालने वाली मशीनों को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से सील करने का होगा इंतजाम

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पेट्रोल पंप पर ग्राहकों को चूना लगने का डर जल्द खत्म हो जाएगा। गाड़ियों में फ्यूल डालने वाली मशीनों को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से सील किया जाएगा। इससे मशीनों के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम में छेड़छाड़ से रोका जा सकेगा। ऑइल मार्केटिंग कंपनियों और इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के साथ सरकारी अफसरों की बैठक में यह फैसला लिया गया। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में कई पेट्रोल पंप पर कस्टमर्स के साथ माप में धोखाधड़ी करने का मामला सामने आने पर यह फैसला लिया गया है। कस्टमर्स को पंप पर लगे डिस्प्ले से कम फ्यूल देकर उनकी जेब काटी जा रही थी। इसमें पल्सर कार्ड के जरिए गोलमाल करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक चिप का यूज किया जा रहा था। इस कार्ड से पता चलता है कि पंप के जरिए कितना फ्यूल दिया जा रहा है। कंज्यूमर अफेयर्स डिपार्टमेंट के एक अफसर ने बताया, वजन और माप के लीगल मेट्रोलॉजी रूल्स में पल्सर कार्ड्स को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से सील करने का प्रावधान है। उनको फिलहाल मेकैनिकल तरीके से सील किया जा रहा है। इसलिए यह काम कोई अतिरिक्त खर्च बिना तुरंत किया जा सकता है। जिन मशीन से वीइकल में फ्यूल डाला जाता है उसमें एक पल्सर कार्ड भी लगा होता है। इसको लीगल मेट्रोलॉजी डिपार्टमेंट सील करता है। अधिकारियों ने बताया कि ई-सीलिंग से पक्का हो सकेगा कि इसके साथ टेक्निशन छेड़छाड़ नहीं कर पाएंगे या इसमें पल्स फ्रिक्वेंसी एनहैंसर चिप जोड़ पाएंगे। एक सरकारी अफसर ने कहा, एक चिप कस्टमर को हर लीटर पर 50 से 70 मिलीलीटर फ्यूल का लॉस करा सकता है। ई-सीलिंग से इन सब पर लगाम लगाई जा सकेगी। दूसरे अफसर ने बताया कि एक पल्स एनहैंसर डिवाइस लगभग 50,000 रुपये में आती है। इसके जरिए पंप ओनर कस्टमर्स को हर महीने 12 से 15 लाख रुपये का चूना लगा सकता है। इसको देखते हुए अब फैसला किया गया है कि राज्यों के लीगल मेट्रोलॉजी डिपार्टमेंट, ऑइल कंपनियों और इक्विपमेंट मेकर्स के एग्जिक्यूटिव्स मिलकर इलेक्ट्रॉनिक सीलिंग का काम करेंगे। इसमें वाहनों में फ्यूल डालने वाली मशीनों को पासवर्ड के जरिए सिक्योर किया जाएगा। अफसरों ने यह भी कहा कि ई-सीलिंग अडिशनल सिस्टम होगा और यह मेकैनिकल सीलिंग प्रोसेस को खत्म नहीं करेगा। सूत्रों ने बताया कि गवर्नमेंट और इंडस्ट्री की इस मीटिंग में पेट्रोलियम ऐंड नेचुरल गैस मिनिस्ट्री और कंज्यूमर अफेयर्स के अफसर के अलावा ऑइल मार्केटिंग कंपनियों और ऑरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के प्रतिनिधि शामिल हुए।

## उपराष्ट्रपति उम्मीदवार पर भी नहीं बनीं आमसहमति

नई दिल्ली,(आरएनएस)। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर विपक्ष की अहम बैठक 11 जुलाई को दिल्ली में होने वाली है। राष्ट्रपति चुनाव में लगभग असफल कांग्रेस अब उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर नई रणनीति के साथ उतरना चाहती है। कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि 11जुलाई को विपक्षी दलों की बैठक बुलाई गई है। सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के नाम का एलान किया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव के मामले में एनडीए के साथ खड़ी जेडीयू अब उपराष्ट्रपति चुनावों में विपक्ष के साथ जाएगी। इसके संकेत जेडीयू के महासचिव के सी त्यागी ने बुधवार को दिए थे। त्यागी ने कहा कि विपक्ष जो भी साझा उम्मीदवार चुने, जेडीयू उसके साथ है। त्यागी ने कहा था कि उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए फिर से उन्हीं 17 पार्टियों की बैठक बुलाकर सबकी सहमति से विपक्ष के उम्मीदवार का चयन होना चाहिए।

## वायु सेना का प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त

जयपुर,(आरएनएस)। राजस्थान के जोधपुर जिले के बालेसर थाना इलाके के गोपालसर गांव में आज भारतीय वायु सेना का प्रशिक्षण विमान मिग 23 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों पायलट सुरक्षित हैं। जोधपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष एवं रक्षा सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना का विमान एम एस 3472 बालेसर थाने से करीब बीस किलोमीटर दूर गोपालसर गांव में एक खेत में गिरने के बाद आग लग गयी। अग्निशमन दलों ने आग पर काबू पा लिया है। उन्होंने बताया कि विमान के दोनों पायलट पहले ही कूद गये, और वह सुरक्षित हैं। बालेसर थानाधिकारी मूल सिंह के अनुसार ग्रामीणों ने खेत में विमान गिरने की सूचना दी थी। मौके पर मौजूद सिंह ने बताया कि विमान गिरने के कारण उसमें से निकले धुएं का गुबार देखकर ग्रामीण वहां एकत्र हो गये। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

## कार-बस की टक्कर में 9 लोगों की मौत

बिजनौर,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद के धामपुर में नैनीताल-हरिद्वार राजमार्ग पर रोडवेज बस और कार की आमने सामने की टक्कर में तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के आठ लोगों और चालक की मौत हो गयी। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल भी हुए हैं। पुलिस के अनुसार लखीमपुर खीरी निवासी रोहित टंडन, उनका भाई रजत टंडन, सोना टंडन, नीरू टंडन, शालू टंडन तथा परिवार के तीन बच्चे इनोवा कार से आज सुबह घर लौट रहे थे। उसी दौरान धामपुर में किसी वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में गढ़ रोडवेज की बस और इनोवा की आमने सामने की टक्कर हो गयी। हादसे में बस चालक और तीन बच्चों सहित कुल नौ लोगों की मौत हो गयी, जबकि चार गंभीर रूप से घायल हो गये। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आगे की कार्वाई कर रही है।

## अब पॉलिटिकल फंडिंग का सिस्टम साफ करना हैः जेटली

मुंबई,(आरएनएस)। सरकार ने अपनी नजरें अब पॉलिटिकल फंडिंग के सिस्टम को साफ करने की ओर मोड़ दी हैं और वह इस समस्या को खत्म करने के लिए जल्द कुछ कदमों का ऐलान करेगी। यह बात वित्त मंत्री अरुण जेटली ने बुधवार को बैंकरों और उद्योगपतियों से कही। जेटली ने मुंबई में आयोजित एसबीआई बैंकिंग ऐंड इकनॉमिक कॉन्क्लेव को विडियो लिंक से संबोधित करते हुए कहा, हम कुछ बड़े कदमों के ऐलान के बारे में सोच रहे हैं, जिनके जरिए हम भारत में समूची पॉलिटिकल फंडिंग का सिस्टम साफ करना चाहते हैं। वित्त मंत्री ने कहा, पिछले 70 वर्षों में दुनिया का यह सबसे बड़ा लोकतंत्र ऐसी फंडिंग के सहारे बढ़ा है, जिससे असल में लोकतंत्र की साख नहीं बढ़ती। प्रधानमंत्री का इस बात पर जोर रहा है कि सरकार को इस विषय को टॉप प्रायरिटी बनाते हुए लेना चाहिए। जेटली जीएसटी और डीमॉनिटाइजेशन के बाद किए जा सकने वाले बड़े रिफॉर्म्स के बारे में एसबीआई की चेयरमैन अरुंधति भट्टाचार्य के एक सवाल का जवाब दे रहे थे। हाल के वर्षों में राजनीतिक गतिविधियों पर खर्च तेजी से बढ़ा है और इसकी रफ्तार प्रति व्यक्ति आय से भी तेज रही है। हालांकि राजनीतिक गतिविधियों में होने वाले खर्च का बड़ा हिस्सा चोर दरवाजे से आता रहा है। जेटली ने फरवरी में जो आम बजट पेश किया था, उसमें कैश डोनेशंस की लिमिट तय करने और एक इलेक्टोरल बॉन्ड शुरू करने जैसे कुछ कदमों की बात की गई थी। यह बॉन्ड कुछ बैंकों की ओर से जारी किया जाएगा, जिसके जरिए राजनीतिक दल चंदा ले सकेंगे। कैश डोनेशन की लिमिट अब 2000 रुपये है और राजनीतिक दल चेक या डिजिटल माध्यम से दान देने वालों से पैसा ले सकते हैं। जेटली ने हालांकि पॉलिटिकल फंडिंग में करप्शन से लड़ने के लिए उठाए जा सकने वाले कदमों का जिक्र नहीं किया, लेकिन बजट भाषण में उन्होंने कहा था कि आरबीआई ऐक्ट में बदलाव किया जाएगा ताकि इलेक्टोरल बॉन्ड जारी किए जा सकें। जेटली ने यह भी कहा कि गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स लागू होने और नोटबंदी के प्रभावों के लिहाज से उठाए गए कदमों से आने वाले दो वर्षों में विकास को रफ्तार मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा, डीमॉनिटाइजेशन के बाद देश ने जिस तरह कठिन निर्णय किए और उन्हें लागू किया, उससे हमारे दमखम का पता चलता है। जीएसटी और डीमॉनिटाइजेशन के इन दो रिफॉर्म्स ने रिफॉर्म की प्रक्रिया को और आसान कर दिया है। मेरा मानना है कि अगले एक-दो वर्षों में टैक्स कलेक्शंस में उछाल के रूप में इनका असर सामने आएगा।